Google Translated into: Hindi Show original Options ▼

AIMAMEDIA
All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Hindi Powered by Google Translate (https://translate.google.com)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)
25/02/2025 04:39 अपराह्न

प्रलेखन होना जरूरी-कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां -25 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के अंग्रेजी विभाग में मार्च 2024 में आयोजित "सांस्कृतिक क्रोनिकल्स: लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं पर दृष्टिकोण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। उस कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों का एक संग्रह "मिथक और लोककथाएं रीडिंग नैरेटिव्ज़ ऑफ़ कल्चर " नाम से पुस्तक का विमोचन आज महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह पुस्तक वैश्विक लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं की समृद्ध विरासत का एक अभिलेख है, तथा इस पुस्तक का उद्देश्य इन कथाओं में निहित अर्थ को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि प्राचीन सभ्यताओं की पौराणिक कथाओं से लेकर स्थानीय समुदायों की मौखिक परंपराओं तक, प्रत्येक शोध पत्र यह दर्शाता है कि ये कथाएं न केवल सामाजिक मानकों, शक्ति संरचनाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रतिबिंबित करती हैं, बल्कि उन्हें आकार भी देती हैं।
कुलपति प्रो सुदेश ने पुस्तक की लेखक प्रो गीता फोगाट , प्रो शालिनी अत्रि , डॉ सुदीप्ता सील व डॉ पल्लवी को बधाई देते हुए कहा की हर एक कॉन्फ्रेंस या किसी भी तरह का कार्यक्रम जो भविष्य में लाभदायक रहने वाला है उसका प्रलेखन होना जरूरी है।

प्रो गीता फोगाट ने कहा कि यह पुस्तक लोककथाओं और पौराणिक कथाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों को इन कथाओं की गहराई और जटिलता को समझने में मदद करेगी।
पुस्तक विमोचन के अवसर पर प्रो गीता फोगाट , प्रो शालिनी अत्रि , डॉ सुदीप्ता सील व डॉ पल्लवी भी मौजूद रहे।
फोटो कैप्शन :-04 :- "मिथक और लोककथाएं रीडिंग नैरेटिव्ज़ ऑफ़ कल्चर " नाम से पुस्तक का विमोचन करते महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश।

All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Hindi Powered by Google Translate (https://translate.google.com)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)
25/02/2025 02:46 अपराह्न

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए क़ानूनी ढांचे को विकसित करना जरूरी -डॉ वी के आहूजा

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ व विधि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से "अर्लटिफिशल इंटेलीजेन्स युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य:बदलते क़ानूनी प्रतिमान" विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पेटेंट सुचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रोधोगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व वर्तमान में इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा सरकार के साइंस एवं टेक्नोलॉजी निदेशालय के साइंटिस्ट डॉ राहुल तनेजा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। एक दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए डॉ वी के आहूजा नेआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए क़ानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित नवाचार स्वामित्व, पेटेंट और कॉपीराइट कानूनों की पारम्परिक धारणाओं को नया आकार दे रहा है।

अपने सम्बोधन में डॉ राहुल तनेजा ने बौद्धिक सम्पदा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अन्तर्सम्बन्ध में गहन प्रकाश डाला। उन्होंने आई पी सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित प्रगति के जवाब में नीति अनुकूलन की आवश्यकता पर चर्चा की।

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है। पेटेंट के प्रति जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उदेश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण शोध कार्य पेटेंट करवाना चाहिए। इससे न केवल संस्थान को विश्व पटल पर पहचान मिलती है अपितु आर्थिक संसाधनों में भी वृद्धि होती है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ प्रमोद मलिक ने कॉन्फ्रेंस की रुपरेखा पर प्रकाश डाला और बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें क़ानूनी विद्वान , शिक्षाविद और उधोग जगत से जुड़े लोग रहे।

अतिथियों का स्वागत विधि विभाग की प्रभारी डॉ सीमा दहिया ने किया।

फोटो कैप्शन :- 02. दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ करते महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश व मुख्य अतिथि इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा। 03. इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा को स्मृति चिन्ह भेंट करते महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश।

3

317 बार देखा गया

(loginmember.aspx) (https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?type=Share&nid=387770)

अधिक समाचार

कॉपीराइट AIMA मीडिया फाउंडेशन 2025

The First Update's Post

The First Update
a day ago ·

The First Update-
खानपुर कलां -25 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के हिन्दी विभाग में एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो मूर्ति मलिक ने की। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता पद्म श्री डॉ संतराम देशवाल जी ने प्रतिभागियों से संवाद किया। छात्राओं से संवाद में डॉ संतराम देशवाल ने मातृभाषा की उपयोगिता व अनिवार्यता पर प्रकाश डालने के साथ -साथ तकनीकी युग में सृजनात्मक रूप से सजग बने रहने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यन्त अच्छा शिक्षार्थी बने रहना चाहिए तथा नई नई सृजना करते रहना चाहिए। हिंदी एक ऐसी भाषा है जो जैसी पढ़ी जाती है ऐसे ही लिखी जाती है। अपने सन्देश में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि भाषा एक संवाद का माध्यम है , और संवाद जितना सरल हो उतना सहज होता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा उत्तर भारत की मुख्य भाषा है, ये बात अलग है कि अलग अलग राज्य में इसका लहजा बदल जाता है। हरियाणा के ग्रामीण आँचल में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है।
विभागाध्यक्ष प्रो मूर्ति मलिक ने उनका स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान का सयोंजन डॉ सुकीर्ति ने किया। इस अवसर पर डॉ कमल, डॉ कुलदीप, डॉ अनीता, डॉ शीला व डॉ पनूम का विशेष सहयोग रहा।
फोटो कैप्शन :-01. प्रतिभागियों को सम्बोधित करते डॉ संतराम देशवाल।

#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

The First Update's Post

The First Update
a day ago

The First Update-
खानपुर कलां -25 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ व विधि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से "आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य:बदलते क़ानूनी प्रतिमान" विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पेटेंट सूचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रोद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व वर्तमान में इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा सरकार के साइंस एवं टेक्नोलॉजी निदेशालय के साइंटिस्ट डॉ राहुल तनेजा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। एक दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की।
अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है। पेटेंट के प्रति जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण शोध कार्य पेटेंट करवाना चाहिए। इससे न केवल संस्थान को विश्व पटल पर पहचान मिलती है अपितु आर्थिक संसाधनों में भी वृद्धि होती है।
कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए डॉ वी के आहूजा नेआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए क़ानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित नवाचार स्वामित्व, पेटेंट और कॉपीराइट कानूनों की पारम्परिक धारणाओं को नया आकार दे रहा है।

अपने सम्बोधन में डॉ राहुल तनेजा ने बौद्धिक सम्पदा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अन्तर्सम्बन्ध में गहन प्रकाश डाला। उन्होंने आई पी सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित प्रगति के जवाब में नीति अनुकूलन की आवश्यकता पर चर्चा की।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ प्रमोद मलिक ने कॉन्फ्रेंस की रुपरेखा पर प्रकाश डाला और बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें क़ानूनी विद्वान , शिक्षाविद और उधोग जगत से जुड़े लोग रहे।
अतिथियों का स्वागत विधि विभाग की प्रभारी डॉ सीमा दहिया ने किया।

फोटो कैप्शन :- 02. दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ करते महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश व मुख्य अतिथि इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा।
03. इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ वी के आहूजा को स्मृति चिन्ह भेंट करते महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश।
#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा, कुलपति व अन्य।

हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी: डॉ. अरविंद शर्मा

गोहाना, 25 फरवरी (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज महिला विश्वविद्यालय के संस्थापक भगत फूल सिंह का 140वां जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाया गया। आज महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लियामेंट्री अफेयर्स के तत्वाधान में 17वीं नेशनल यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के सहकारिता, कारागार एवं विरासत व पर्यटन मामलों के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा में शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की। युवा संसद में निर्णायक की भूमिका संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ. शालिनी शर्मा व शिक्षाविद प्रो मंजू परुथी ने निभाई। डॉ. अरविन्द शर्मा ने महिला परिसर में पहुंचने पर भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज एक ऐसे महापुरुष का जन्मदिन है जिन्होंने न केवल शिक्षा बल्कि समाज के हित में भी अनेक कार्य किए। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर है। उन्होंने युवा संसद के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ये हमारी बेटियां आने वाले समय में देश चलाएंगी। इस अवसर पर बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते डॉ अरविन्द शर्मा ने कहा कि बहन का जीवन त्याग की एक अनोखी मिसाल है। उनके जीवन चरित्र का अध्ययन सभी को करना चाहिए।

हवन कार्यक्रम में आहुति डालते कुलपति प्रो. सुदेश।

विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ में कुलपति ने यजमान बन डाली आहुति

गोहाना, 25 फरवरी (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह बात कही भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह की 140वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त कही। विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ में कुलपति प्रो. सुदेश ने यजमान बन आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर बहन ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डॉ. सुमन दलाल सहित प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मी एवं कन्या गुरुकुल विद्यापीठ की छात्राएं उपस्थित रही।

पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं पर दृष्टिकोण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित

गोहाना, 25 फरवरी (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में मार्च 2024 में आयोजित 'सांस्कृतिक क्रोनिकल्स: लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं पर दृष्टिकोण' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। उस कांफ्रेंस में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों का एक संग्रह 'मिथक और लोककथाएं रीडिंग नैरेटिव्ज ऑफ कल्चर' नाम से पुस्तक का विमोचन आज महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह पुस्तक वैश्विक लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं की समृद्ध विरासत का एक अभिलेख है। कुलपति प्रो. सुदेश ने पुस्तक की लेखक प्रो. गीता फोगाट, प्रो. शालिनी अत्रि, डॉ. सुदीप्ता सील व डॉ. पल्लवी को बधाई देते हुए कहा की हर एक कांफ्रेंस या किसी भी तरह का कार्यक्रम जो भविष्य में लाभदायक रहने वाला है उसका प्रलेखन होना जरूरी है। प्रो. गीता फोगाट ने कहा कि यह पुस्तक लोककथाओं और पौराणिक कथाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों की इन कथाओं की गहराई और जटिलता को समझने में मदद करेगी।

बदलते कानूनी प्रतिमान पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन

गोहाना, 25 फरवरी (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ व विधि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य: बदलते कानूनी प्रतिमान विषय पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। पेटेंट सूचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कांफ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व वर्तमान में इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डॉ. वी के आहूजा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा सरकार के साइंस एवं टेक्नोलॉजी निदेशालय के साइंटिस्ट डॉ. राहुल तनेजा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण शोध कार्य पेटेंट करवाना चाहिए। इससे न केवल संस्थान को विश्व पटल पर पहचान मिलती है अपितु आर्थिक संसाधनों में भी वृद्धि होती है। डॉ. वी के आहूजा नेआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. वी के आहूजा को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. सुदेश।

प्रीतम कौलेखां ने जजपा को कहा अलविदा

कलायत, 25 फरवरी (बीरभान निर्मल): कलायत विधानसभा चुनाव 2024 में जजपा प्रत्याशी रहे डा.प्रीतम कौलेखां ने जन नायक जनता पार्टी को अलविदा कर दिया है। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला को भेजा। इसमें यह उल्लेख किया गया है कि वे कुछ निजी कारणों की वजह से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। इसके साथ यह भी हवाला दिया गया है कि वे समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय ले रहे हैं। डा.प्रीतम कौलेखां जजपा में अनुसूचित जाति प्रदेश प्रभारी रहे हैं। समाज की भावना को मद्देनजर रखते हुए मैंने फैसला लिया।

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. संतराम देशवाल।

हिन्दी पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन

गोहाना, 25 फरवरी (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में हिन्दी आज पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. मूर्ति मलिक व संयोजन डॉ. सुकीर्ति का रहा। बतौर मुख्य वक्ता पद्म डॉ. संतराम देशवाल ने शिरकत कर प्रतिभागियों से संवाद किया। छात्राओं से संवाद में डॉ. संतराम देशवाल ने मातृभाषा की उपयोगिता व अनिवार्यता पर प्रकाश डालने के साथ-साथ तकनीकी युग में सृजनात्मक रूप से सजग बने रहने का समर्थन किया। हिंदी एक ऐसी भाषा है जो जैसी पढ़ी जाती है ऐसे ही लिखी जाती है। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भाषा एक संवाद का माध्यम है, और संवाद जितना सरल हो उतना सहज होता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा उत्तर भारत की मुख्य भाषा है। हरियाणा के ग्रामीण आँचल में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। प्रो. मूर्ति मलिक ने उनका स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. कमल, डॉ. कुलदीप, डॉ. अनीता, डॉ. शीला व डॉ. पनूस का विशेष सहयोग रहा।

एआइ से नवाचार को मिल रहा नया आकार : डा. आहूजा

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ और विधि विभाग द्वारा आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य, बदलते कानूनी प्रतिमान विषय पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया। पेटेंट सूचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय वरिष्ठ प्रोफेसर व इंडियन ला इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. वीके आहूजा रहे।

ला इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. वीके आहूजा को सम्मानित करतीं कुलपति प्रो. सुदेश •

डा. वीके आहूजा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य वक्ता वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अंतर-संबंध पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। उन्होंने कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है।

'हमें जीवन पर्यंत अच्छा शिक्षार्थी बने रहना चाहिए'

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में मंगलवार को विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पद्मश्री डा. संतराम देशवाल ने प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने मातृभाषा की उपयोगिता व अनिवार्यता पर प्रकाश डालने के साथ-साथ तकनीकी युग में सृजनात्मक रूप से सजग बने रहने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यंत अच्छा शिक्षार्थी बने रहना चाहिए और नई-नई सृजना करते रहना चाहिए। हिंदी एक ऐसी भाषा है जो जैसी पढ़ी जाती है ऐसे ही लिखी जाती है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भाषा एक संवाद का माध्यम है और संवाद जितना सरल हो उतना सहज होता है। हिंदी भाषा उत्तर भारत की मुख्य भाषा है, ये बात अलग है कि अलग-अलग राज्य में इसका लहजा बदल जाता है। इस मौके पर डा. सुकीर्ति, डा. कमल, डा. कुलदीप, डा. अनीता, डा. शीला, डा. पूनम रहे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता डा. संतराम देशवाल • सौ. प्रवक्ता

पेटैंट करवाने से सुरक्षित होता है शोध : प्रो. सुदेश

प्रो. सुदेश डा. वी.के. आहूजा को सम्मानित करते हुए। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 25 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ और विधि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से "आर्टिफीशियल इंटैलीजैंस युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य: बदलते क़ानूनी प्रतिमान" विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पेटैंट सूचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रैंस में मुख्य अतिथि इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर डा. वी के आहूजा और मुख्य वक्ता राज्य सरकार के साइंस एवं टेक्नोलॉजी निदेशालय के साइंटिस्ट डा. राहुल तनेजा रहे। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की।

प्रो सुदेश ने कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है। पेटेंट के प्रति जागरूकता जरूरी है। शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण शोध कार्य पेटेंट करवाना चाहिए। इससे न केवल संस्थान को विश्व पटल पर पहचान मिलती है अपितु आर्थिक संसाधनों में भी वृद्धि होती है। डा. वी.के. आहूजा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्टिफीशियल इंटैलीजैंस संचालित नवाचार स्वामित्व, पेटेंट और कॉपीराइट कानूनों की पारम्परिक धारणाओं को नया आकार दे रहा है।

डॉ राहुल तनेजा ने बौद्धिक सम्पदा और आर्टिफीशियल इंटैलीजैंस के अन्तर्सम्बन्ध में गहन प्रकाश डाला। बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डा. प्रमोद मलिक, डा. सीमा दहिया आदि भी उपस्थित रहे।

जीवनपर्यन्त बने रहें अच्छे विद्यार्थी : डा. देशवाल

गोहाना, 25 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में एक विस्तारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री डॉ संतराम देशवाल ने छात्राओं से संवाद किया। डा. संतराम देशवाल ने मातृभाषा की उपयोगिता और अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीकी युग में सृजनात्मक रूप से सजग बने रहने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यन्त अच्छा शिक्षार्थी बने रहना चाहिए तथा नए-नए सृजन करते रहना चाहिए। हिंदी एक ऐसी भाषा है जो जैसी पढ़ी जाती है, वैसे ही लिखी जाती है।

छात्राओं से संवाद करते हुए डा. संतराम देशवाल। (अरोड़ा)

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि भाषा एक संवाद का माध्यम है और संवाद जितना सरल हो उतना सहज होता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा उत्तर भारत की मुख्य भाषा है।

अलग-अलग राज्य में इसका लहजा बदल जाता है। हरियाणा के ग्रामीण आंचल में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। संयोजन डॉ सुकीर्ति ने किया। इस अवसर पर डा. कमल, डा. कुलदीप, डा. अनीता, डा. शीला और डा. पनूम का विशेष सहयोग रहा।

छात्राओं से संवाद में मातृभाषा की उपयोगिता बताई

गोहाना | बीपीएस महिला विवि के हिंदी विभाग में मंगलवार को एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान पद्मश्री से सम्मानित डॉ. संतराम देशवाल ने बतौर मुख्य वक्ता छात्राओं से संवाद में मातृभाषा की उपयोगिता व अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही तकनीकी युग में सृजनात्मक रूप से सजग बने रहने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यंत अच्छा शिक्षार्थी बने रहना चाहिए तथा नई नई सृजना करते रहना चाहिए। हिंदी एक ऐसी भाषा है, जो जैसी पढ़ी जाती है, ऐसे ही लिखी जाती है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। इस मौके पर डॉ. सुकीर्ति, डॉ. कमल, डॉ. कुलदीप, डॉ. अनीता, डॉ. शीला, डॉ. पूनम आदि मौजूद रहे।

कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर दिया जोर

गोहाना। बीपीएस महिला विवि में मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य, बदलते कानूनी प्रतिमान विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली विवि के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व वर्तमान में इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. वीके आहूजा मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित नवाचार स्वामित्व, पेटेंट और कॉपीराइट कानूनों की पारंपरिक धारणाओं को नया आकार देने की जानकारी दी। इसे अलावा प्रदेश के साइंस एवं टेक्नोलॉजी निदेशालय के साइंटिस्ट डॉ. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अंतर्संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने आईपी सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित प्रगति के जवाब में नीति अनुकूलन की आवश्यकता पर चर्चा की।

गोहाना। डॉ.वी के आहूजा को स्मृति चिन्ह भेंट करते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षितः प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ और विधि विभाग द्वारा आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य, बदलते कानूनी प्रतिमान विषय पर राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। पेटेंट सूचना केंद्र हरियाणा राज्य नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय वरिष्ठ प्रोफेसर व इंडियन ला इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. वीके आहूजा रहे। डा. वीके आहूजा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित नवाचार स्वामित्व, पेटेंट और कापीराइट कानूनों की पारंपरिक धारणाओं को नया आकार दे रहा है। मुख्य वक्ता वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अंतर-संबंध पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कहा कि पेटेंट करवाने से हमारा शोध कार्य सुरक्षित होता है। पेटेंट के प्रति जागरूकता जरूरी है। नोडल अधिकारी डा. प्रमोद मलिक व डा. सीमा दहिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के अंग्रेजी विभाग में मार्च 2024 में सांस्कृतिक क्रोनिकल्सः लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं पर दृष्टिकोण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों का एक संग्रह मिथक और लोक कथाएं रीडिंग नैरेटिव्ज ऑफ कल्चर नाम से पुस्तक का विमोचन मंगलवार को महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि यह पुस्तक वैश्विक लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं की समृद्ध विरासत का एक अभिलेख है, तथा इस पुस्तक का उद्देश्य इन कथाओं में निहित अर्थ को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि प्राचीन सभ्यताओं की पौराणिक कथाओं से लेकर स्थानीय समुदायों की मौखिक परंपराओं तक, प्रत्येक शोध पत्र यह दर्शाता है कि ये कथाएं न केवल सामाजिक मानकों, शक्ति संरचनाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रतिबिंबित करती हैं बल्कि उन्हें आकार भी देती हैं। कुलपति प्रो. सुदेश ने पुस्तक की लेखक प्रो. गीता फोगाट, प्रो. शालिनी अत्रि, डॉ. सुदीप्ता सील व डॉ. पल्लवी को बधाई दी। कार्यक्रम में प्रो. गीता फौगाट, प्रो. शालिनी अत्री, डॉ. सुदीप्ता सील व डॉ. पल्लवी मौजूद रहे।

बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति किया जागरूक

गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ व विधि विभाग की ओर से कलात्मक वैज्ञानिक युग में बौद्धिक संपदा का भविष्य : बदलते कानूनी प्रतिमान विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वीके आहूजा ने शिरकत की।

सम्मेलन में 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया मुख्य वक्ता के रूप में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा पहुंचे। सम्मेलन की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना रहा। शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण शोध से न केवल संस्थान को विश्व पटल पर पहचान मिलती है; अपितु आर्थिक संसाधनों में भी वृद्धि होती है।

महिला विश्वविद्यालय में डॉ. वीके आहूजा का स्वागत करती कुलपति प्रो. सुदेश। स्रोत : विवि

मुख्यातिथि डॉ. वीके आहूजा ने कलात्मक वैज्ञानिक युग से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा व कलात्मक वैज्ञानिक युग के संबंध में जानकारी दी। बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद मलिक व विधि विभाग की प्रभारी डॉ. सीमा दहिया मौजूद रही।

राष्ट्रीय सम्मेलन में 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया

मातृभाषा की उपयोगिता पर डाला प्रकाश

गोहाना। बीपीएस महिला विवि में हिंदी विभाग की ओर से विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल ने मातृभाषा की उपयोगिता व अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यंत अच्छा शिक्षार्थी बनकर नई-नई सृजना करते रहना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. मूर्ति मलिक ने की। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हरियाणा के ग्रामीण आंचल में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। संवाद